



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 599]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 2010/चैत्र 10, 1932

No. 599]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 2010/CHAITRA 10, 1932

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2010

का.आ. 724(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह संतुष्टि हो जाने के पश्चात् कि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए महाराष्ट्र में नासिक जिले में कि. मी. 177/000 से कि.मी. 185/550 तक भूमि खंड में राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 50 के निर्माण (चौड़ीकरण/चार/छः लेन बनाना, आदि), अनुरक्षण, प्रबन्धन और प्रचालन के लिए वह भूमि जिसका संक्षिप्त विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, अपेक्षित है, ऐसी भूमि के अधिग्रहण के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अंतर्गत पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर आक्षेप, सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 21 (इक्कीस) दिन के अन्दर कर सकता है।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी, सिंचाई सं. 1, नासिक-422001, महाराष्ट्र को लिखित रूप में किया जाएगा और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप में या किसी विधि व्यवसायी के माध्यम से सुने जाने का अवसर देगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, करने के बाद, आदेश द्वारा या तो आक्षेपों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि की आयोजना और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के पूर्वोक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका निरीक्षण हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा किया जा सकता है।

[फा. सं. एनएच-6-12014/4/2008-एमएच]

एस. नरेन्द्र, निदेशक

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2010

S.O. 724(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3A of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government, after being satisfied that for the public purpose, the land, the brief description of which is given in the Schedule below, is required for building (widening/four/six/laning, etc.), maintenance, management and operation of National Highway No. 50, on the stretch of land km. 177/000 to km. 185/550 in Nashik District in the State of Maharashtra, hereby declares its intention to acquire such land.

Any person interested in the said land may, within twenty-one days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, object to the use such land for the aforesaid purpose under the sub-section (1) of Section 3C of the said Act.

Every such objection shall be made to the competent authority, namely the Special Land Acquisition Officer, Irrigation No.1, Nashik-422001, Maharashtra, in writing and shall set-out the grounds thereof and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard, either in person or by legal practitioner, and may, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as the competent authority thinks necessary, by orders, either allow or disallow the objections.

Any order made by the competent authority under sub-section (2) of the Section 3C of the said Act, shall be final.

The land plans and other details of the land covered under this notification are available, and can be inspected by the interested person, at the aforesaid office of the competent authority.

[F. No. NH-6-12014/4-2008-MAH]

S. NARENDRA, Director